7. I am like grass poem | कक्षा 9 अंग्रेजी मुझे घास पसन्द है Notes

PASH (1950 -88), was a major Punjabi poet. His important works include **Lok Katha, Udadiyan Bajjan Magar** and **Sade Samayan Vich**. The present poem "I Am Like Cross", franslated from Punjabi by Suresh Sethi, breathes optimism.
पाश (1950-88) पंजाबी के महत्त्वपूर्ण कवि थे। लोककथा, उदादीयन बजन मगर । और सादे समायाँ विच उनकी महत्त्वपूर्ण साहित्यिक कृतियाँ हैं। प्रस्तुत कविता TAm Like Grass' पूर्ण आशावादी सुरेश सेठी द्वारा पंजाबी से अनुवादित है।

I AM LIKE GRASS

I am like grass
you can chop me mow me down
but I shall sprout again
grow
and bounce back
you can obliterate my signposts
you can bomb the Universities
reduce the hostels to rubble
you may scorch the slums
but you cannot erase my identity
because I am like grass
I will sprout again
and my mantle shall cover everything
you may bomb Banga
you may destroy Sangrur
and reduce the whole district of Ludhiana
to ashes
but it will be only a matter of time
two years ten years
before my green mantle covers everything again
I shall become a vast green jungle
the green jungle of Barnala
where tourists will visit me
visit my green jungle
because I am like grass
you can chop me

you can mow down
but I will sprout again
and cover everything.

मैं घास की तरह हूँ। तुम मुझे हँसिया से काटकर टुकड़े-टुकड़े कर नीचे फेंक सकते हो, परन्तु मैं पुनः उग आऊँगी, नन्ही-नन्ही पतियों निकल आएँगी। और दोबारा ऊपर नीचे-डोलने लगूंगी।।
तुम मेरे निशान को मिटा सकते हो। तुम विश्वविद्यालयों को बम से उड़ा सकते हैं। छात्रावासों को पत्थर और ईंट के छोटे-छोटे टुकड़ों में बदल सकते हो, तुन गंदी बस्तियों को झुलसा सकते हो। परन्तु तुम मेरी पहचान को नष्ट नहीं कर सकते क्योंकि मैं घास की तरह हूँ। मैं पुनः उग आऊँगा और मेरा चोगा सभी चीजों को ढंक लेगा।
तुम बंगलादेश पर बम फेंक सकते हो, संगरूर को नष्ट कर सकते। हो, और लुधियाना के समूचे जिले को राख में बदलकर उसकी पहचान को कम कर सकत हा, परन्तु यह केवल समय की बात है दो साल या दस साल में ये हरे चाग में पुनः सभी चीजों को ढंक लेंगे।
मैं विशाल हरा जंगल बन जाऊँगा, बरनाला के हरा जगल जसा जहा पर्यटक मुझे दर्शन करने आयेगे। मेरे हरे जंगल का दर्शन करेंगे, क्योंकि म घास की तरह हूँ। तुम मुझे टुकड़े टुकड़े में काट सकते हो, तुम मुझे नष्ट कर सकते हो, परन्नु मैं पुनः उग आऊँगा और सभी चीजों को ढंक लूंगा।

https://www.evidyarthi.in/